







# हमें हर हाल में पथ विक्रेताओं का काम-धंधा चालू करना है

मुख्यमंत्री चौहान ने शहरी पथ विक्रेता योजना के हितग्राहियों से वी.सी. के माध्यम से बातचीत की

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना संकट के चलते लॉकडाउन के कारण पथ विक्रेता छोटे-छोटे व्यवसायों का कार्य-धंधा ठहरा प्रभावित हुआ है। हमें हर हाल में उनका काम-धंधा चालू करना है। इसके लिए प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर स्वनिधि योजना से शहरी पथ विक्रेताओं एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना के माध्यम से ग्रामीण पथ विक्रेताओं को काम-धंधे के लिए 10 हजार रुपये का व्याजमुक्त ऋण सरकार उपलब्ध करा रही है। शहरी पथ विक्रेता योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है, जहां देश के 47 प्रतिशत प्रकार के स्ट्रीट वेंडर स्वनिधि योजना के हितग्राहियों से वीसीओ कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके जिले के पथ विक्रेताओं को यह राशि जल्दी से जल्दी मिल जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पुलिसकर्मी अथवा नगरीय निकाय का अमला पथ विक्रेताओं को कार्य करने में अड़बा देना लगाने में परेशान न करें। वी.सी. में नगरीय आवास एवं विकास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, प्रमुख सचिव श्री नीतीश व्यास उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री



चौहान ने हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि छोटे-मोटे नौकरी से अच्छे हैं स्वयं का काम-धंधा। इसके लिए सरकार कार्यक्रमील पूंजी दिलवा रही है। उन्होंने बताया कि जब वे 9वीं कक्षा में भोपाल के मॉडल स्कूल टी.टी. नगर में पढ़े

थे तब स्कूल के पास ही एक व्यक्ति फूटपाथ पर प्लास्टिक का सामान बेचता था। देखते ही देखते उसने दुकान लगाया चालू किया और अब वो बड़ा व्यापारी बन गया है। आप सब भी अपना स्वयं का कार्य प्रारंभ कर आगे बढ़ें। गुना जिले के प्रेमनारायण ने बताया कि उन्होंने पथविक्रेता योजना के रूपों से मंगफली का देना लगाया है। इस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो मंगफली में आनंद है, जो कानू-रिस्ता में कां है। इसी प्रकार पथ विक्रेता विषय में बताया कि उन्होंने मिली राशि से प्रेस की गुमटी लगाई है। जोभा माली ने बताया कि उन्होंने इस पैसे से मनहारी का देना लगाया है तथा 5 हजार रुपये बचा भी लिए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी को शुभकामनाएं दीं। शिवपुरी के दीपेन्द्र परिहार ने बताया कि उन्होंने 10 हजार रुपये से चाट का देना लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान से कहा कि मामाजी मेरे देले पर आओ और खट्टा-मोटा होल पी जाओ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पानीपुरी सुनके मुंह में पानी आ रहा है। मैं आपके देले पर पानी-पुरी खाने आऊंगा। चर्चा के दौरान स्वालिगर के पथ विक्रेता मुकेश कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने योजना से मिली राशि से चामुण्डी बाजार में मनमोनी का देना लगाया है। उनकी पत्नी ने योजना की राशि से हिलाई की मशीन लगाई है।

## स्कूल शिक्षा मंत्री परमार ने शिक्षकों के ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य कोर्स का शुभारंभ किया



**भोपाल।** स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इन्द्र सिंह परमार ने मंत्रालय में शिक्षकों के लिये ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य कोर्स श्रंखला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि विश्व के अंधा हो चला-प्रदेश कोरोना संकटकाल से लम्बे समय जुड़ा रहा है। ऐसे में मनोदशा का विचारित होना स्वाभाविक है। विद्यार्थियों के मन में अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर चिन्ता होना स्वाभाविक है। ऐसी विकट परिस्थितियों में भी शिक्षा विभाग बच्चों को पढ़ाई को निर्यात बनाने एवं उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिये कई नवाचार कर रहा है। इसी क्रम में शिक्षकों के लिये ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य कोर्स शुरू किया जा रहा है। इससे शिक्षक तनाव और चिन्ता के वातावरण में भी बच्चों का दृष्टिकोण एककारणक बनकर पढ़ाई कराने के साथ-साथ उनकी चिन्ताओं एवं समस्याओं का भी निराकरण हो सकेगा। यह कोर्स शिक्षकों को लिये और अधिक सक्षम एवं कोशलयुक्त बनायेगा। श्री परमार ने कहा कि उन्हें आशा है कि शिक्षक इन कोर्स को करने के बाद वातावरण को सामान्य बनाने के लिये कारगर प्रयास करेंगे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह कोर्स चिन्ता, तनाव एवं अवसाद से उबारने में कारगर साबित होगा एवं शिक्षक अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक इसका लाभ पहुंचाये। प्रमुख सचिव श्रीमती रमिष अरुण शर्मा ने कहा कि कोविड संकटकाल में मानसिक रूप से स्वस्थ रहना और जरूरी हो गया है। इस समय मानसिक समस्याएं बढ़ रही हैं बच्चे भी अपने भविष्य को लेकर भय और चिन्ता से ग्रस्त हैं। बच्चों को इस मनस्थिति से उबारने के लिये शिक्षक को और अधिक कोशलयुक्त होना होगा इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर यह कोर्स प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि यह कोर्स पहली से 12वीं तक के सभी शिक्षकों के लिये होगा। श्रीमती शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के मनोदरपणा पोर्टल पर भी इस विषय से संबंधित मॉड्यूल एवं टूल्स हैं शिक्षक उससे भी लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह कोर्स दीक्षा एप पर उपलब्ध होगा। आयुक्त लोकेश्वरी श्रीमती जयश्री क्रियान्वयन में मानसिक स्वास्थ्य कोर्स श्रंखला के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

## सामाजिक न्याय मंत्री पटेल द्वारा सभी जिलों में विभागीय समीक्षा बैठक करने के निर्देश 15 अगस्त से शुरू हुआ नशा मुक्ति अभियान 15 मार्च तक चलेगा



उन्होंने कहा कि सभी विभागों में दिव्यांजनों के लिये निक पदों की जानकारी प्रस्तुत करे। श्री पटेल ने वरिष्ठ अधिकारियों को जिले आवांठित करने के निर्देश भी दिये। वे अधिकांश दौर और सतत बैठक कर दिव्यांजनों

## किसान क्रेडिट कार्ड को आधार से लिंक करायें- मंत्री पटेल

**वरिष्ठ कृषि अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित**

**भोपाल।** किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने मंत्रालय में कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसानों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिये वित्त के अंतर्गत प्रबंधन के लिये चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री कसल बीमा योजना का सुनिश्चित लाभ दिलाने के लिये किसान क्रेडिट कार्ड (एफडी) को आधार से लिंक करने के लिये आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाये। श्री पटेल ने किसानों से भी आग्रह किया कि वे अपने के.सी.सी. को आधार से लिंक करायें मंत्री श्री पटेल ने बैठक में कृषि उत्पादन अनुसूची के क.पि.रि. प्रमुख सचिव कृषि श्री अजित केशरी और संचालक कृषि श्री संजीव सिंह को विभागीय योजनाओं से संबंधित

## स्कूल शिक्षा मंत्री परमार ने शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के वेबिनार का शुभारंभ किया

**भोपाल।** स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री श्री इन्द्र सिंह परमार ने मंत्रालय में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के कार्यक्रम एवं उपदायकों के निवर्तन के लिये विभाग डैक्ट्यूमे वेबिनार का शुभारंभ किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि बदलती हुई परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि स्वयं का मूल्यांकन कर कार्य-प्रणाली में सुधार एवं आधुनिकता लाई जाये। कई परिस्थितियों के बावजूद बेहतर परिणाम देना ही सबसे बड़ी चुनौती होती है। कोविड संकटकाल में परिस्थितियों बदलने के कारण कार्य करने के तरीकों में बदलाव आया है। इन तरीकों को और प्रभावी एवं परिणामलुक्त बनाने के लिये हमें हमेशा सीखते रहना चाहिए एवं स्वयं को अद्यतन रखना चाहिए। विभाग डैक्ट्यूमे कार्यक्रमों का आंतरिक मूल्यांकन कर नई शिक्षा नीति के अनुरूप कई बदलाव आसपास करने में मानवीय साबित होगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि टीचर्स ट्रेनिंग संस्थान शिक्षकों को समय, समाज एवं परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर तरीके से शिक्षा देने में अहम भूमिका निभाये। प्रमुख सचिव श्रीमती रमिष अरुण शर्मा ने कहा कि अंतिम प्रेमजी फायरवर्क द्वारा तैयार किया गया विभाग डैक्ट्यूमे कार्यवाही शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। सभी संस्थानों में स्पेशा सुधार को समर्थना होती है।

# कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सहयोग से सुरक्षा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन हो

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कोरोना की स्थिति और व्यवस्थाओं की समीक्षा की

**भोपाल।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए 95सहयोग से सुरक्षा% अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। सभी को मास्क लगाने, 2 गज की दूरी रखने तथा अन्य सभी सावधानियों बरतने के लिए प्रेरित किया जाए। सभी कलेक्टरों अपने जिलों में इस कार्यों में सभी का सहयोग लें। इन सावधानियों का पालन करते हुए हम कोरोना संक्रमण को आसानी से रोक सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के 53 हजार गांवों में से 1500 गांवों में कोरोना का कम से कम एक मरीज है। हमें गांवों में कोरोना संक्रमण रोकने के हरसंभव प्रयास करने होंगे। इसके लिए रणनीति बनाकर कार्य करें। ग्राम सभाओं, डोंडी पिठवाने आदि के माध्यम से हर ग्रामवासी को कोरोना से बचाव के संबंध में जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रालय में वीसीओ कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना



की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, डीजीपी श्री निवेक जोहरदी, उपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान

उपस्थित थे। जबलपुर जिले की समीक्षा में पाया गया कि गत 7 दिनों में लगभग 600 कोरोना के नए प्रकरण आए हैं। जबलपुर में कोरोना के 1704 पॉजिटिव एवं 495 एफिक्टव मरीज हैं। जबलपुर की पॉजिटिविटी रेट 5.61 है, जो ज्यादा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जबलपुर पर विशेष ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए। 95सहयोग से सुरक्षा% अभियान के अंतर्गत सभी के सहयोग से कोरोना के संक्रमण को रोकें जाने के सभी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि रीवा एवं शहडोल के मेडिकल कॉलेजों का सुदृढ़ीकरण किया जाए तथा वहां कोरोना के इलाज संबंधी सभी व्यवस्थाएं उत्कृष्ट करें। सभी मेडिकल कॉलेजों में सिटी स्कैन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो। समीक्षा में बताया गया कि जबलपुर मेडिकल कॉलेज में प्लाज्मा थेरेपी से मरीजों को लाभ हो रहा है। प्लाज्मा थेरेपी में एक डॉनर से 2 प्लाज्मा लिए जाते हैं। मरीज को 2

अलग-अलग डॉनर्स का एक-एक प्लाज्मा दिया जाता है। एफिक्टव मरीजों की देश में प्लाज्मात्सक स्थिति अनुसार मध्यप्रदेश 16वें स्थान पर है। वहीं पॉजिटिविटी रेट की दृष्टि से 15वें स्थान पर है। प्रदेश में ताद दिवस कोरोना के 10 हजार 312 एफिक्टव मरीज एवं 45 हजार 455 पॉजिटिव मरीज थे। प्रदेश में एफिक्टव मरीजों की संख्या में 80 को बढ़ाई आई है। आज प्रदेश में एफिक्टव मरीजों की संख्या 10 हजार 232 है। मध्यप्रदेश में अभी तक कोरोना के 35 हजार 025 मरीज स्वस्थ होकर घर आ चुके हैं। प्रदेश की रिकवरी रेट 75.5 प्रतिशत हो गई है। प्रदेश की मृत्यु दर 2.43 प्रतिशत है तथा पॉजिटिविटी रेट 4.40 प्रतिशत है। जिलेवार कोरोना की समीक्षा में पाया गया कि इंदौर जिले में आज कोरोना के सर्वाधिक 245 नए प्रकरण आए हैं। इसके बाद जबलपुर में 93, भोपाल में 92, खरौली में 36, स्वालिगर में 20 तथा गुना में 20 प्रकरण हैं।



संपादकोट विवाह की उम्र

केंद्र सरकार शादी के लिए लड़कों को न्यूनतम उम्र सीमा में बदलाव पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि सरकार की इस कवायप के पीछे सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला हो सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण ने बजट भाषण में कहा था कि महिला के मां बनने को सही उम्र के बारे में सलाह देने के लिए एक टास्क फोर्स बनाई जाएगी। अभी भारत में लड़कों की शादी के लिए न्यूनतम उम्र 18 साल और लड़कें के लिए 21 साल तय की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2017 में एक फैसले में कहा था कि वैवाहिक बलाकार से लड़कों को बचाने के लिए बात विवाह पूरी तरह से अर्थात् माना जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने विवाह के लिए न्यूनतम उम्र के बारे में फैसला लेने का काम सरकार पर छोड़ दिया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लड़कियों के लिए शादी को न्यूनतम आयु में बदलाव के संकेत दिए हैं। माना जा रहा है कि अब लड़कियों की शादी को न्यूनतम उम्र 18 से बढ़ाकर 21 की जा सकती है। इससे लड़कियों के जीवन में कई बदलाव आएंगे। लेकिन, बड़ा सवाल है कि आखिर सरकार बेटीयों के विवाह को न्यूनतम उम्र क्यों बदलना चाहती है? लड़कियों की न्यूनतम उम्र सीमा में बदलाव करने के लिए पीछे अंधेय भाव मूल्यद्वय में कमी लाना है। शादी के लिए लड़कों और लड़कें को न्यूनतम उम्र को एक समान होना चाहिए। अगर मां बनने की आयु सीमा 21 साल तय कर दी जाती है तो महिला को अच्छे पैदा करने की क्षमता वाले शाली की संख्या सारे में तीन करोड़ 76 लाख लड़कियों को शामिल हुई। इसमें से दो करोड़ 55 लाख ग्रामीण क्षेत्र में और एक करोड़ 21 लाख शहरी क्षेत्र में हुई। इनमें से एक करोड़ 37 लाख (1.06 करोड़ ग्रामीण और 31 लाख शहरी) लड़कियों ने 18-19 की उम्र में शादी की। वहीं 75 लाख लड़कियों (49 लाख ग्रामीण और 26 लाख शहरी) ने 20-21 की उम्र में शादी की। ग्रामीण महिलाओं को बात करे तो पांच सालों में 61 फीसदी ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली लड़कियों ने 18-21 की उम्र के बीच शादी की। लड़कियों की शादी को उम्र यदि 21 वर्ष तय की जाती है तो हम बाबत विवाह पर काफी हद तक अंधेरा लाने में सफल हो सकते हैं। अभी 18 वर्ष है तो 15 से 17 वर्ष की उम्र की लड़कियों का विवाह प्रशासन की आंख में धूल झाँककर आसानी से कर दिया जाता है। जब लड़कों की उम्र 21 साल हो जाएगी, तो ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। फिर 18 साल किसी भी लड़कों के लिए परिष्कृत उम्र नहीं होगी। अगर उसको 18 साल में शादी हो गई और एक साल बाद वह मां बन गई तो उस पर दोहरी जिम्मेदारी आ जाती है। एक तो वह खुद अपनी जिम्मेदारी उठाने के काबिल नहीं होती, ऐसे में बच्चे की परवरिश कठिन हो जाती है। अंतः सरकार को लड़कियों की उम्र 21 वर्ष निर्धारित करनी चाहिए। ऐसा करने से कई समस्याएँ एक साथ हल हो सकती हैं। सकृद अरब, यमन और जिवूती में लड़कियों की शादी को कोई न्यूनतम उम्र तय नहीं है। ईरान में 13 साल, लेबनान में 9 साल और सूडान में युवावस्था की शुरुआत लड़कियों की शादी न्यूनतम उम्र है। वहीं चाड और कुवैत में 15 साल की उम्र पार कर लेने के बाद लड़कियों की शादी की जा सकती है। अफगानिस्तान, बाहरीन, पाकिस्तान, कतार और युके समेत दुनिया के सात देशों में लड़कियों की शादी को न्यूनतम उम्र 16 साल है।

गटर में गुम होती जिंदगी

अवनीश कुमार झाखण्ड के देवर जिले के देवरपुर में परिवार को एक मकान के सौट्टक टैंक की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण छह लोगों की मौत हो गई। जाकारिकी के मुताबिक गैस का सौट्टक टैंक के अंदर अज्ञानिता गौरी देवी, मजदूर लालू, मुमू उरत। काको देर तक अंदर से किसी तरह की आवाज नहीं आने पर मकान मालिक ब्रजेश भी टैंक के अंदर गए। काफी देर तक अंदर से कोई हलवाव नहीं होने पर उनके भाई लिविशेष भी टैंक के अंदर गए। वहाँ के अंदर जाने के बाद भी कोई समझौता नहीं होता देख रात मिस्त्री गौरी देवी का चेहरा बलू और लालू उन्हें बचाने के लिए अंदर गए। लेकिन मक घुटने के कारण अंदर ही सबकी मौत हो गई। राजस्थान में सीकर जिले के फतेहपुर में सीकर के बिहारी के दौरान हुई तीन मजदूरों की मौत के मामले में वहाँ के अपर जिला प्रमुख सूर्य न्यायाधीश ने कुछ माह पहले एक रैलिफिक फैसला सुनवाया था। कोई न इस मामले में कंपनी के इंजीनियर सफित तीन लोगों को गैस इस्तेमाल हत्या का दोषी मानते हुये दस-दस साल के कारागार की सजा सुनाई थी। कोई न माना कि सजा कर रहे मजदूरों के लिए सुरक्षा रक्षा इंतजाम करना कर्मियों की जिम्मेदारी थी। उस दिन कम्पनी की ओर से सीकर के का काम किया जा रहा था। वहाँ सुरक्षा संबंधी पर्याय उपय नहीं करने के कारण तीन मजदूरों को जात गंवांनी पड़ी थी। सीकर सफाई के दौरान



गैस की चपेट में आने से सात लोगों की मौत हो गयी थी। देश के विभिन्न हिस्सों में हम आये दिन इस प्रकार की घटनाओं से सम्बन्धित खबरें सुनाकर पत्रों से 5 लोगों की मौत हो गई थी।

लिये नहीं भेजा जाता है। इस वजह से हर महीने चार से पांच लोगों की मौत हो जाती है। कोई न कहा सविधान में प्रावधान है कि सभी मनुष्य समान हैं। लेकिन सम्बन्धित उन्हें समान सुविधाएँ उपजब नहीं करवाते हैं। कोई न इस स्थिति को आमनाबीय करार दिया। अर्दानी जनरल ने पीट से कहा था कि देश में नागरिकों को होने वाली क्षति और उनके लिए जिम्मेदार लोगों से निपटने के लिये अभी तक कानून नहीं बना है। मॉजस्ट्रेट को ऐसी घटनाओं का स्थान: संज्ञान लेने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क पर झाड़ू लगा रहे या मैनेहोल को सफाई कर रहे व्यक्ति के खिलाफ कोई मामला दायर नहीं किया जा सकता। लेकिन ये काम करने का निर्देश खरिद अथिधकारी या प्राधिकारी को इसका जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले एक वर्ष में सीकर की सफाई करने के दौरान 200 से अधिक व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। इस आमनाबीय त्रासदी में मरने वाले अधिकांश लोग अर्धसंगठित दैनिक मजदूर होते हैं। इस कारण इनके मरने पर कोई विरोध दर्ज नहीं होता है। देश में करीबन 27 लाख सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। जिसमें से 20 लाख ठेके पर काम करते हैं। एक सफाईकर्म की अंस्तन कमाई 7 से 10 हजार रुपये प्रति माह तक होती है। गंदगी में काम करने से आधे से अधिक सफाई कर्मों को कई विमारियों से पीड़ित हो जाते हैं। इस कारण अधिकांश गटर साफ करने वाले लोगों की कम उम्र में ही मौत हो जाती है।

गुजरात के वड़ोदरा जिले के डभोई तहसील में एक होटल की सीवेज टैंक साफ करने उरते सात मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई थी। उत्तर पश्चिम दिल्ली के एक मकान के सौट्टक टैंक में उतरने के बाद दो मजदूरों की मौत हो गई थी। इस मामले में भी जांच में यह बात सामने आई थी कि मजदूर टैंक में बिना मास्क, ग्लव्स और सुरक्षा उपकरणों के उरते थे। नोएडा स्थित सलारपुर में सीकर की खुदाई करते समय पास में वह रहे नाले का पानी भरने से दो मजदूरों की डूबने से मौत हो गई थी। गत वर्ष आन्ध्र प्रदेश राज्य के चित्तूर जिले के पालमरुने मंडल गांव में एक गटर की सफाई करने के दौरान जहरीली

भी सीवर में होने वाली मौतों पर चिंता जताने के साथ ही सख टिप्पणों की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि देश में आज भी जाति के आधार पर भेदभाव किया जाता है। मनुष्य के साथ मनुष्य डरा इस तरह का व्यवहार किया जाना सबसे अधिक अमानवीय आचरण है। इन परिस्थितियों में बदलाव होना चाहिए। कोई न अर्दानी जनरल से सलाह किया था कि आखिर हथ से मैला साफ करने और सीवर के नाले या मैनेहोल को सफाई करने वालों को मास्क व अंकीसोन सिलेंडर जैसे सुरक्षा उपकरण क्यों नहीं पहनाया जाता है? दुनिया के किसी भी देश में लोगों को इस तरह के गैस चेम्बर में मरने के

अमरगथा

मैं उस पुष्परा का वासी हूँ, जहाँ रहते अमर बलिदानी हैं, राजकुं और भगवति की गथा को कुंबानी हूँ, वीर शिवाजी और पार्लों को सुंदर एक कहानी हूँ, मैं उस पुष्परा का वासी हूँ...! गीत और कुरान की पुजा और अज्ञान को, देह दीवली होती हूँ, मैं सम- रहम की बाली हूँ, मंदिर मंदिर गुहारा की अरामों की वाणी हूँ, मैं उस पुष्प रा का वासी हूँ...! ये धरती और जवनों की खेती को खिलहलाने की, ये धरती बने खजानों की सुरी की भागओ की, जहाँ बहती गंग मयून है, जहाँ रास रवाता कण्ठा है, रागकुं के प्रेम को अंभट एक कहानी हूँ, मैं उस पुष्परा का वासी हूँ...! लक्ष्मी दुर्गा काली हैं, जहाँ हर नारी मरदनी है, जहाँ जन्म शोषी की रानी है, जो बुन्देली महारानी है, सब सम्पन्न वीरता को अद्वैत एक कहानी हूँ, मैं उस पुष्प रा का वासी हूँ...! स्वर्चित समोचित सुरीरत



प्रियंका पवन खंतल (बाबली) झांसी उम्र

दुआओं का असर

बात उन दिनों की है जब स्कूल की फीस भरनी थी और मेरे पास पैसे का अभाव होने के कारण मैं समय पर अपनी बेटी को फीस जमा नहीं कर पाई और परीक्षा भी नजदीक थी जैसे जैसे करके स्कूल की फीस तो हो पाई पर लेट फीस और मींगी जा रही थी जो हमसे नहीं हो पाई प्रिंसिपल के ऑफिस भी बार बार लेट फीस बाद में भरने की मींग की परन्तु वह भी नहीं मानी एक दिन अचानक मैं फीस भरने स्कूल के दरवाजे के पर खड़ी थी वहाँ एक बूढ़े व्यक्ति की जेब से 2000 हजार का नोट गिर गया यह देख मैं बहुत खुश हुई और उस नोट को झट से उठा लिया व सोचने लगने ही पैसें से मेरी बेटी की लेट फीस भी भर जाएगी वह परीक्षा दे पावेगी परन्तु मुझे उस बूढ़े व्यक्ति को देखकर दया आ गई उस नोट को उन्हें वापस लौटा दिया वह देखकर उस बूढ़े व्यक्ति की आँखों में आँसू आ गयेऔर उन्होंने कहा कि यदि आज ये 2000 हजार का नोट खोजे जाता तो मेरी पोती का साला भी खराब हो जाता मैंने बड़ी मुश्किल से फीस जुटाई है और वह मुस्कुराते हुए दुआएँ देकर अंदर चले गए जब मैं फीस भर रही थी तो प्रिंसिपल ने मुझे अपने ऑफिस में बुलाया मेरी बेटी की लेट फीस भी माफ कर दि तभी मुझे समझ आया कि यह हो ना हो ये सब उस बूढ़े व्यक्ति की दुआओ का ही असर है।



राधा शर्मा इन्दौर मध्यप्रदेश

खुशी और मन की शांति

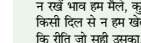
हम जिस दुनिया से है यह हर चीज पैसे से तोली जाती है। लोना आपको खीरत पूछे या न पूछे,ये जरूर पूछते है कि आजकल आप क्या जीव कर रहे है और उससे किना पैसे कम रहे हो। अगर आपको जीव कम आमदनी वाली है तो लोना आपको जीव से आपके रहन-सहन,और सोच का अंदाजा लगा लेते है कि आप कुर्र के मेडक है जो कम पैसों में और छोटी सी नौकरी में अपने समय और ऊर्जा को खत कर रहे हो। ये वह लोना है जिन्के लिए केवल पैसा ही सबकुछ है ये पैसे के अलावा कुछ और सोचना नहीं चाहते और आपसे भी उम्मीद करते है कि आप भी केवल पैसे के बारे में ही सोचो। मैं ये बिल्कुल नहीं कहती कि पैसे के बारे में सोचना या पैसे को महत्व देना गलत है, मैं तो बस इतना कहना चाहती हू कि केवल पैसे को जीवन का आधार बनाकर जीना ये तो गलत है। कई बार हम पैसे के मोह में इतने अंधे हो जाते है कि अपनी जिंदगी में आई छोटी- छोटी खुशियों को नहीं पहचान पाते, न ही कभी जीवन का अर्थ ले पाते। हर जगह केवल पैसा और नफा-नुकसान ही हमें दिखाता है। क्यों हम नहीं समझते कि जीवन ईश्वर की सबसे सुंदर देन है क्या जब नकदी है पर सबसे ज्यादा जरुरी है खुशी और मन की शांति। पैसा कमाए,वह जरुरी है पर सबसे ज्यादा जरुरी है खुशी और मन की शांति। पैसा कमाए,वह जरुरी है पर सबसे ज्यादा जरुरी है खुशी और मन की शांति को मत भूल जाना क्योंकि ये दोनों ही आप पैसे से नहीं खरिद सकते। अंकिता जैन अवनी लेखिका/कवयित्री अशोकनगर मप



अंकिता जैन अवनी लेखिका/कवयित्री अशोकनगर मप

नाम हरे उंचा

हमारी सोच ऊंची हो, हमारा काम हो ऊंचा कुछ हम राह पर ऐसे, कि जग में नाम हो ऊंचा बुराई से परे हो हम, भलाई ही करें हरदम मन से प्रेम न हो हम, बनाएँ सत्य को हदमदम बने जो सच के हम साथ, सब परिणाम हो ऊंचा अधिक को हरेक मौजिल, जन्मा मन में हो शांति कि ऊंची जोत पाएंगे, अगर संगम हो ऊंचा न फैलाएँ कभी नमस्तर, सभी सद्भाव में हों रत हो बाढ़ें धर्म कोई मत, हमेशा पीरस रहें नत हम सब भाई-भाई हैं, यही पाप हो ऊंचा न रखें भाव हम मने, कुरती न कोई फैले किसी दिल से न हम खले, कोई भी रत न जले कि रीत जो सही उनका, सदा अग्राम हो ऊंचा न कोई दुख हो जीवन न, बुजुर्गों को रक्ष मन में भले पड़ने न सुमिरन में, नहीं विवास पुजन में बड़के बाप से मां से, नहीं कोई धाम हो ऊंचा



विक्रम कुमार मनाोर, वैराली

प्रेम

प्रेम श्याम है, प्रेम है शिव भी। प्रेम है राधा, प्रेम मीरा भी। प्रेम है नारी, प्रेम ही नर भी। प्रेम है भाषा, प्रेम मीन भी। प्रेम सुधा है, प्रेम है विष भी। प्रेम है ममता, प्रेम श्रेष्ठ भी। प्रेम भोर है, प्रेम निशा भी। प्रेम जात के हर कण कण में। प्रेम में खुशियाँ, दुख भी प्रेम में। प्रेम में जीवन, मृत्यु प्रेम में। प्रेम समया तुममें मुझमें... रागिनी गुमा भोपाल मप



रागिनी गुमा भोपाल मप

तया यही 21वीं सदी का हिंदुस्तान है ?

अनुराग राठौर बलिनम सरकाओं द्वारा किये जाने वाले दावों और खिंटों पर यदि विश्वास करते तो एक बार तो ऐसा लोणा गोया देश को स्वतंत्रता ही अभी बंद क्यों पूर्व ही मिली है। दावे भी ऐसे जिनपर लंबी टो की खिंटे तो जरूर हो चुकी हैं,मंत्रिणम प्रेस कॉन्फरेस कर उन दावों से संबंधित हवाई फ़िले की बना चुके हैं,किराणियों पर भी सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं,शाकक र्वां द्वारा अपनी पीढ़ें भी खूब धरमधर्यां जा चुकी है। परन्तु आज उन दावों का हज़र बया है,भारत पर कौन है वह दावे,कौन इन सरवालों का जवाब देने वाला भी नहीं,न ही इनसे कोई पूछने वाला है। याद कीजिये जब देश में सी स्पैट बनाने जैसी सख्य नाम 6 वर्ष पूर्व दिखाया गया था। गंगा सफाई अधिपान को लेकर तरह तरह के भवान्वावक वादे किये जा रहे थे ,स्वच्छता अधिपान,पी संरक्षण के वादे,दावे और भवान्वावक वादें आदि सब कहीं है किसी को नहीं पाना। मगर बड़ी हिट्टाई के साथ अभी भी यही कल जा रहा



है कि हमारा देश इक्कीसवीं सदी का भारत बनने की दिशा में अग्रसर है। आर्याभरता व स्वयंलंबन के डेन, जोर शोर से पीट जा रहे हैं। परन्तु देश की अस्तसी हलत बया है उसे समझना हो के लिए जैसै राज्यों में बाढ़ के हलवात और इससे प्रभावित जनता की दुर्दशा को तरफ नज़रें उठाकर देखिये। राजधानी दिल्ली की दिशा में बहती हुई देखिये। लुआं कुर्रें खुर्रें हो जाने के बावजूद गंगा नदी की दुर्दशा देखिये। लामणा पूरे देश में सड़कों पर विचारण करते आवात पतु विनमरे गोंसेरा की बहती संख्या और इससे रोजाना होने वाली सैकड़ों दुर्दनाएं

देखिये। गोया सरकारी दावों के विपरीत हमारा देश इक्कीसवीं सदी का भारत बनने की दिशा में अग्रसर है। आर्याभरता व स्वयंलंबन के डेन, जोर शोर से पीट जा रहे हैं। परन्तु देश की अस्तसी हलत बया है उसे समझना हो के लिए जैसै राज्यों में बाढ़ के हलवात और इससे प्रभावित जनता की दुर्दशा को तरफ नज़रें उठाकर देखिये। राजधानी दिल्ली की दिशा में बहती हुई देखिये। लुआं कुर्रें खुर्रें हो जाने के बावजूद गंगा नदी की दुर्दशा देखिये। लामणा पूरे देश में सड़कों पर विचारण करते आवात पतु विनमरे गोंसेरा की बहती संख्या और इससे रोजाना होने वाली सैकड़ों दुर्दनाएं

गन्दा दुर्गंध पूर्ण पानी वापस आने लगता है। इसी तरह सड़कें व गलियाँ ऊँची होने के चलते तमाम लोगों के मकान नीचे व सड़क गली का स्तर ऊंचा हो गया है। नदीजान मजदूरी सी बाहिरा में भी गलियों में पानी भर जाता है और वहीं पानी लोगों के घरों में भरने लगता है। अन्य राज्यों को तरह हरियाणा में भी इसी अंदराय से राज्य के नगरपालिका व नगर निगम क्षेत्रों में थकावतक %विकास कार्य% किये गए हैं। सड़कें व गलियाँ ऊँची हो गयी है और लोगों के मकान या दुकानों जो साम्धारण व्यक्ति अपने पूरे जीवन में मुश्किल से ही एक बार बना पाता है,ये दूब रहे हैं। इना ही नहीं बल्कि मकानों में गन्दा बंदवृदार नाली व सीवर का पानी प्रवेश होने के बाद घर के साज सामान भी पीग कर पीजट हो जाते हैं। सोने पर सुहारा यह कि शहरों में तो सफाई कर्मचारी नियमित रूप से गलियों की सफाई किया करते थे वे भी आना बंद हो चुके हैं। इसीसे नगर निगम या नगर पालिका के कर्मचालियों को तनखुवाहें नहीं मिलती या दर से मिलती है,कहीं



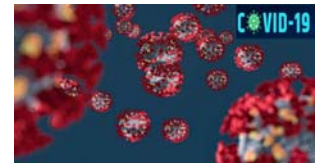




दक्षिणी चीन में लीजियांग नदी का एक मनमोहक नजारा।

# ऑकलैंड में कोरोना के नए मामलों की वजह से तला न्यूजीलैंड आम चुनाव

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डन ने ऑकलैंड में कोरोना वायरस के नए मामलों के मद्देनजर देश में होने वाले आम चुनावों को चार सप्ताह के लिए टालने की सोमवार को घोषणा की। देश में 19 सितम्बर को चुनाव होने थे, जो अब 17 अक्टूबर को होंगे। न्यूजीलैंड के कानून के तहत अर्डन को दो महीने तक चुनाव टालने का अधिकार है। ऑकलैंड में कोविड-19 के नए मामलों के मद्देनजर विपक्षी दल भी चुनाव टालने का लगातार आग्रह कर रहे थे। न्यूजीलैंड में पिछले सप्ताह एक बार फिर



कोविड-19 के मामले सामने आए हैं, इससे पहले 102 दिन तक वहाँ वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया था। ऑकलैंड में अभी संक्रमण के 49 मामले हैं। अर्डन ने चुनाव स्थगित करने से पहले संसद के सभी दलों के प्रतिनिधियों को चर्चा के लिए बुलाया था। उन्होंने कहा 'कितना अंततः यह सुनिश्चित करना चाहती हूँ कि हमारे पास सुचारू चुनाव प्रणाली हो जो मतदाओं को सभी दलों और उम्मीदवारों के बारे में जानकारी हासिल करने का सर्वश्रेष्ठ मौका दे। ऑपिनियन पोल के अनुसार अर्डन की लेकर पार्टी एक बार फिर सत्ता में आ सकती है।'

# सावधान! अमेरिका में लाल प्याज से फैल रहा ये खतरनाक संक्रमण

न्यूयार्क। अमेरिका में जहाँ कोरोना ने अपना आतंक फैल रहा है। वहीं अमेरिका अब एक और संक्रमण की चपेट में आ गया है। अमेरिका में लाल प्याज से एक ऐसा संक्रमण फैल रहा है, इसे खाने से कई लोग गंभीर बीमारी का शिकार हो रहे हैं। बता दें कि अमेरिका के लगभग कई राज्यों में ये संक्रमण काफी तेजी से फैल रहा है। इसका 400 लोगों के संक्रमित होने की खबर सामने आ चुकी है, जबकि 60 लोग हॉस्पिटल में भर्ती हो चुके हैं। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने अलर्ट जारी किया है, जिसमें लोगों को लाल प्याज खाने से मना किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ये लाल प्याज धर्मियन इंटरनेशनल कंपनी की तरफ से

सप्लाई की गई है। लाल प्याज के जटिल सेल्सोलेला बैक्टीरिया का संक्रमण फैल रहा है इसके बाद सोडोनी ने लोगों को प्याज का सेवन करने पर रोक लगा दी है। बता दें कि इस लाल प्याज का सेवन करने से शरीर में सेल्सोलेला बैक्टीरिया फैलने लगता है जिसके कारण व्यक्ति के शरीर का ताप तेजी से बढ़ने लगता है। इसके सेवन से पहले व्यक्ति को बहुत तेज बुखार आता है, फिर उल्टी, डायरिया और पेट में काफी तेज दर्द महसूस करने लगता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस लाल प्याज के सेवन से अमेरिका के लगभग 34 राज्यों के 400 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इस संक्रमण से करीबन 60 लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। हेल्थ

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति ने इस लाल प्याज का सेवन किया है, तब तेज बुखार, उल्टी, पेट में दर्द और डायरिया के लक्षण केवल 6 घंटों से लेकर 6 दिनों के अंदर कभी भी दिख सकते हैं। इस बैक्टीरिया के संक्रमण का असर हर व्यक्ति पर अलग-अलग समय पर नजर आता है। वहीं डॉक्टरों के मुताबिक, इसका आमतौर पर सबसे ज्यादा असर बच्चे और 65 साल या इसके ऊपर की उम्र के लोगों में देखा जा सकता है। अगर इसका समय रहते इलाज नहीं कराया गया तो इससे फैलने वाला बैक्टीरिया शरीर के अंतों तक फैलने लगता है जिससे संक्रमण का खाल प्याज तंत्र भी पूरी तरह खराब हो सकता है।

# चीन ने अफ्रीका के सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नाइजीरिया को कर्ज के जाल में फंसाया

अब्जा। चीन अपनी महत्वकोशाओं को पूरा करने के लिए किसी भी हद जा सकता है। चीन इसके लिए एक अलग ही धमतीला अपनाता आया है। अपनी विस्तारवादी नीतियों को पूरा करने के लिए ड्रैगन कमन्वेल्थ पड़ोसियों को कर्ज के जाल में फंसा लेता है और संक्रमण पड़ोसियों को विद्यार्थी में फंसा कर रखता है। विसाल के तौर पर चीन ने अमेरिका, भारत, ब्रिटेन, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देशों को भी विद्यार्थी में उतारा रखा है, जबकि पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों को कर्ज देकर उनपर धीरे-धीरे अपने वर्चस्व बढ़ा रहा है। वर्तमान में चीन ने 150 से अधिक देशों को अपने कर्ज के जाल में फंसा रखा है। इन्हीं अफ्रीकी देश का नाम भी शामिल है। अफ्रीका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नाइजीरिया चीन के श्रेष्ठों के दबाव को देखकर 'अनौठी' संभ्रमणा खोने की करार पर पहुंच गया है।

# वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पीआईए ने पेरिस के लिए उड़ान बहाल की



इस्लामाबाद। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने यूरोपीय हवाई सुरक्षा एजेंसी (ईएसए) द्वारा सदय देशों में परिचालन की अनुमति छह महीने के लिए स्थगित किए जाने के बीच एक महीने बाद वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पेरिस के लिए उड़ान बहाल की। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक शनिवार को 260 यात्रियों को लेकर पीआईए का विमान फ्रांस की राबधानी पेरिस के लिए रवाना हुआ। विमान में 2.5 टन सामान भी लदा था। पीआईए ने यूरोपीय देशों में चाईई उड़ान के जारी अपनी सेवाएं

राष्ट्रीय विमान कंपनी पीआईए में सेवारत अगलटों के फजी लाइसेंस के मामले के बीच अमेरिका ने भी कंपनी के उड़ानों पर छह महीने के प्रतिबंध लगा दी थी। पीआईए ने ब्रिटेन की उड़ानों को बहाल करने के लिए पुर्तगाली विमान कंपनी से समझौता किया है। पुर्तगाली विमान कंपनी पीआईए के लिए 300 सीटों को अगला तबत एयरबस ए-330 विमान का परिवाराल करेगी। पाकिस्तान के उड़ान मंत्री गुलाम सरवर ने कहा कि सरकार सभी तकनीकी और राजनयिक विवरणों का इम्तिया प्रविधित करने और पीआईए के उड़ानों को आगे ले जाने में सामर्थ्य करने के लिए कर रही है। एयरएल ने पाकिस्तानी मंत्री द्वारा पीआईए के पासपोर्टों के लाइसेंस की प्रमाणिकता को लेकर दिए गए बयान के बाद उड़ानों पर रोक लगाने का फैसला किया था।

# पीएम मोदी की चेतावनी से चिंता में एड़ा चीन, सालों बाद चीनी विदेश मंत्री ने किया तिब्बत का दौरा



बीजिंग। तिब्बत प्राचीन काल से ही योगियों और सिद्धों का घर माना जाता रहा है तथा अपने नैसर्गिक सौंदर्य के लिए भी यह प्रसिद्ध है। संसार में सबसे अधिक ऊंचाई पर बसा प्रदेश तिब्बत मध्य एशिया का सबसे ऊंचा प्रमुख पठार है। वर्तमान में यह बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र है। भारत की सीमा तिब्बत से लगती है न चीन से। चीन ने 1951 में इस पर कब्जा कर अपने नियंत्रण में ले लिया था तभी से तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने भारत में शरण ले रखी है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र का है। चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वचनकारी अपने निर्वाचित आयातिका नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं। चीन के विदेश मंत्री चांग यी ने तिब्बत और सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया। उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास के लिए क्षेत्र की सुरक्षा



चीन के एक विद्विधर में वितालकया पांडा को जन्मदिन पर विशेष प्रकर का केक खाने में दिया गया।

# अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कोरोना पीड़ितों का आंकड़ा 2,399 पहुंचा, 28 की मौत

पोर्ट ब्लेयर। भारतीय द्वीप समूह अंडमान एवं निकोबार में भी कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। यहाँ 93 नये मामले सामने आने के साथ केंद्र शासित प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2,399 हो गई। एक अधिकारी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सभी नये मामले संक्रमितों के सम्पर्क में आये व्यक्तियों की पहचान करने के दौरान

# ट्रंप ने भारत का साथ देकर सही रुख अपनाया

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के विरोध में खड़े होकर भारत का साथ दिया और करमोर मामले में कभी हस्तक्षेप नहीं करके एकदम सही रुख अपनाया है। यह कहना है अमेरिका के राष्ट्रपति के प्रचार अभियान से जुड़े अधिकारियों का। ट्रंप के भारतीय-अमेरिकी समर्थकों ने कहा कि कोविड-19 से पहले ट्रंप प्रशासन के नेतृत्व में अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों को बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड गिरावट आई थी। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व मंच पर भारत का कद बढ़ाया, भारत का विश्वी इंडियन-अमेरिकन फोर्नेस कमेटी के सह-अध्यक्ष अल मैनस ने कहा, 'संक्षेप में कहें तो, ट्रंप ने भारत और भारतीय-अमेरिकियों के मामले में सही रुख अपनाया है।' ट्रंप अभियान से जुड़े अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय और भारत-अमेरिका संबंधों के मद्देनजर ट्रंप का चुनाव करना ही सही होगा।



प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी वकील एवं कैलिफोर्निया से रिपब्लिकन पार्टी की वरिष्ठ नेता हरमोत कौर दिखो ने कहा, 'भारतीय-अमेरिकियों की परदे स्पष्ट है... और चार साल के

लिए ट्रम्प/पेंस।' दिखो ट्रम्प अभियान के 'इंडियन वॉयसेज फॉर ट्रम्प' की सह-अध्यक्ष हैं। ट्रम्प प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कोविड-19 से पहले भारतीय-अमेरिकियों की बेरोजगारी दर में करीब 33.33 प्रतिशत की गिरावट आई थी। अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार भारतीय-अमेरिकी बेरोजगारी दर 2015 में 4.1 प्रतिशत थी, जो 2019 में कम होकर 2.1 प्रतिशत रह गई। 'इंडियन वॉयसेज फॉर ट्रम्प' की दूसरी सह-अध्यक्ष म्यालेनि कुमारी ने कहा, 'भारतीय-अमेरिकी युवाओं ने यह समूह है जिन्होंने अमेरिका को आजादी से सभसे ज्यादा फायदा हुआ है, जिसमें मुक्त बाजार, रूसी पाने की आजादी, श्रम जीवन के लिए प्रयास करने की आजादी आदि शामिल है। साथ ही, धर्म का पालन करने की अधिकार स्वतंत्रता।' भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वित्तव्यवस्था 2019 में अमेरिकी यात्रा के दौरान भी ट्रम्प ने कहा था, 'हर दिन, भारतीय-अमेरिकी समुदाय हमारे देश को जबरन हमारे और हमारे भविष्य के निर्माण में मदद कर रहा है।'



हंगरी के बलाटोन तालाब में अपनी-अपनी नावों को चलाते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले लोग।

### धोनी की जर्सी भी रिटायर करने की मांग उठी



नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की सात नंबर की जर्सी को भी उनके संन्यास लेने के साथ ही सम्मान के तौर पर रिटायर करने जाने की मांग की जा रही है। सबसे पहले यह मांग भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने की है। बोर्ड के अधिकारी भी इससे सहमत हैं। कार्तिक ने पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में मिली हार के बाद ली गई अपनी और धोनी की फोटो के साथ पोस्ट किया। विश्व कप में सेमीफाइनल के बाद ली गई अंतिम फोटो। इस सफर के जरिए काफी शानदार यादें रहीं। मैं उम्मीद करता हूँ कि बीसीसीआई सफेद क्रिकेट से सात नंबर की जर्सी को भी रिटायर कर देगा। कार्तिक ने भारतीय टीम में अपना पदार्पण धोनी से तीन महीने पहले 2004 में किया था पर धोनी के आने के कारण कार्तिक 26 टेस्ट, 94 एकदिवसीय और 32 टी20 से ज्यादा मैच नहीं खेल पाया। कार्तिक ने लिखा, 'जिंदगी की दूसरी पारी के लिए 'गुड लक', मुझे भरोसा है कि अगर हमें इसमें भी काफी हैरान करते रहेंगे।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई की शीर्ष परिषद को सदस्य और पूर्व भारतीय महिला टीम की कप्तान शान्ता रांगामी ने कहा कि धोनी इसके अधिकारी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि उन्होंने तब संन्यास लिया, जब लोग पूछ रहे हैं कि क्यों और क्यों नहीं। खिलाड़ी और कप्तान दोनों के तौर पर उनका योगदान काफी ज्यादा है।

## टाटा संस बन सकती है आईपीएल प्रायोजक



मुंबई। टाटा संस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्रायोजक बन सकती है। टाटा संस प्रायोजन अधिकार की दौड़ में सबसे आगे बनी हुई है। इस दौड़ में शामिल अन्य कंपनियों में पंजाब आर्यन और जियो के अलावा इ-लॉजिस्टिक्स फार्म बायज और अनअकेडमी फॉरसी स्पोर्ट्स फर्म ड्रीम 11 भी शामिल हैं। इन सभी कंपनियों ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अपना प्रस्ताव भेज दिया है। इससे पहले चीन के साथ तनाव को देखते हुए चीनी कंपनी वीवी को आईपीएल प्रायोजक से हटा दिया गया था। वीवीएसएन ने टाटा संस को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए कहा है और अनेक अक्षय कर्मा ब्रांड इंडिकेटी है। सभी कंपनियों 200 करोड़ रुपये से अधिक भुगतान करने के लिए तैयार हैं। इसमें टाटा संस बेहतर ब्रांड है क्योंकि यह गैर-विवादस्पद ब्रांड है और इसकी छवि अच्छी है। ड्रीम 11 भी प्रायोजक की दौड़ में चल रही है, लेकिन इसके साथ अड़चन यह है कि इसमें तीन इंटरनेट स्टार्टअप में विदेशी निवेश किया है। जिसमें चीनी फर्म टेनसेंट होल्डिंग्स से राशि ली गयी है। वहीं बाबा रामदेव भी कोरोनाजिनल दवा को लेकर विवादों में आ गयी थी। वहीं इसी तरह जियो को मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इक वॉली कंपनी रितायर्स मुंबई इंडियंस की पेरेंट कंपनी है। ऐसे में टाटा संस की दावेदारी सबसे प्रबल नजर आती है।

### जांस बोले अब राहुल और त्रखन के बीच ही है मुकाबला

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और मशहूर कमेंटरेटर डीन जांस ने ट्वीट कर कहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास के बाद युवा विकेटकीपर बल्लेबाजों लोकेश राहुल और त्रखन पंत को जरूर चैन की नई आह होगी। जांस ने इस ट्वीट के जरिये ये कहने की कोशिश की है कि अब वे दोनों ही खिलाड़ी पूर्ण रूप से विकेटकीपर की दौड़ में शामिल होंगे। अभी त्रखन पंत और केएल राहुल के बीच विकेटकीपिंग की लेकर कड़ा मुकाबला है। त्रखन टीम इंडिया में अधिक अवसर मिले हैं हालांकि वह अभी तक अपनी जाहू फकी नहीं कर पाये हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को देखते हुए केएल राहुल को विकेटकीपर और फिनिशर की भूमिका मिली। साल 2019 में केएल राहुल ने 70 से ज्यादा की औसत से रन बनाया। न्यूजीलैंड वीर पर केएल राहुल ने सभी पांच टी20 मैचों में विकेटकीपिंग की, जिसमें उन्होंने 3 कैच और एक स्ट्राइक की। टी20 में भी राहुल ने 2019 में 53 से ज्यादा की औसत से रन बनाया। इससे साफ है राहुल विकेटकीपर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और ऐसे में त्रखन के लिए यासनी आसान नहीं होगी पर धोनी के संन्यास के बाद अब इन दोनों के बीच ही मुकाबला रह गया है।

## गावस्कर, गांगुली ने चेतन चौहान को याद किया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने सबसे लंबे समय तक अपने सलामी जोड़ीदार रहे चेतन चौहान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। चेतन चौहान का रविवार को कोविड-19 संक्रमण के कारण अंगों के काम नहीं करने से निधन हो गया था। वहीं बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली ने कहा, 'चेतन चौहान के निधन के बारे में जानकर मुझे गहरी पीड़ा हुई है। जब वह भारतीय क्रिकेट टीम के मैनेजर थे उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदन तब मैंने उनके साथ बहुत समय बिताया था।



वह सिर्फ एक मजबूत सलामी बल्लेबाज नहीं थे, बल्कि लोगों से लगाव रखने वाले शानदार व्यक्तित्व वाले व्यक्ति भी थे। इस वर्ष को भुलाने की जरूरत है क्योंकि यह हम सबसे बहुत सारे प्रिय लोगों को दूर ले गया है। वह हमेशा हमारे साथ रहेंगे। भगवान उनके परिवार को इस नुकसान से उबरने की ताकत दे। वहीं बीसीसीआई के सचिव जय शाह और कोषाध्यक्ष अरुण कुमार धूमल ने भी चौहान के निधन पर शोक जताया है और उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदन जताई है।

## वार्न को आदर्श मानते हैं कुलदीप

मुंबई। टीम इंडिया के चानामैन रिसर कुलदीप ने कहा, जब मैं वार्न से मिला तो मैं कुलदीप महार ऑस्ट्रेलिया के पूर्व लेग रिसर होने का जो अपना आदर्श मानते हैं। कुलदीप ने कहा कि वार्न ने उन्हें कई तरह से सहाया की है। कुलदीप ने साल 2017 में पृष्ण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला था और तभी उनके वार्न से मुलाकात हुई थी। कुलदीप ने कहा, 15 में पृष्ण में एक टेस्ट मैच के दौरान वार्न वार्न से मिला था। उस समय अंतिम कुलदीप हमारे कोच थे और मैंने अपने कोच से कहा था कि मैं वार्न से मिलना चाहता हूँ 15



वार्न को आदर्श मानते हैं कुलदीप ने कहा, जब मैं वार्न से मिला तो मैं कुलदीप महार ऑस्ट्रेलिया के पूर्व लेग रिसर होने का जो अपना आदर्श मानते हैं। कुलदीप ने कहा कि वार्न ने उन्हें कई तरह से सहाया की है। कुलदीप ने साल 2017 में पृष्ण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला था और तभी उनके वार्न से मुलाकात हुई थी। कुलदीप ने कहा, 15 में पृष्ण में एक टेस्ट मैच के दौरान वार्न वार्न से मिला था। उस समय अंतिम कुलदीप हमारे कोच थे और मैंने अपने कोच से कहा था कि मैं वार्न से मिलना चाहता हूँ 15

## स्पाइसजेट अपने हुलाई में शामिल करेगी एयरबस ए340 कार्गो विमान

मुंबई। 7विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा 7कि वह अपने हुलाई विमानों के बड़े में जल्द एयरबस ए340 कार्गो विमानों को शामिल करेगी। हुलाई बड़े में बड़े विमान के आने के बाद स्पाइसजेट यूरोप, स्वतंत्र राइडों के राइडकुल (सीआईएस) तथा अफ्रीकी क्षेत्रों को लंबी दूरी की कार्गो उड़ानों का परिचालन कर सकेगी। एयरबस ए340 कार्गो विमान के बाद स्पाइसजेट के बड़े में कुल नौ कार्गो विमान हो जाएंगे। इनमें पांच बोइंग 737, तीन बोइंग 747 और एक एयरबस 340 कार्गो विमान शामिल होंगे। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा 7कि पहला बड़े आकार का कार्गो विमान देश के सबसे बड़े कार्गो परिवालक के रूप में हमारी यात्रा में पासा परलटने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइन जल्द यूरोप, अफ्रीका और सीआईएस देशों के लिए सीधी कार्गो उड़ानें शुरू करेगी। सिंह ने कहा कि कुछ महीने पहले हम इस बारे में सोच भी नहीं सकते थे।

## प्राकृतिक गैस के दामों में आ सकती है बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। भारत में प्राकृतिक गैस के दामों में बड़ी गिरावट आने की संभावना है। इससे ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) जैसी गैस उत्पादक कंपनियों को कमाई पर दबाव पड़ सकता है। अनुमान के मुताबिक भारत में अक्टूबर से प्राकृतिक गैस की कीमत घटकर 1.90-1.94 डॉलर प्रति एम्एमबीटीयू पर आ सकती है। यह देश में एक दशक से अधिक समय में प्राकृतिक गैस की कीमतों का सबसे निचला स्तर होगा। गौरवार्ह है 7कि इस समय देश की गैस उ7पादक कंपनियां पहले से ही भारी नुकसान में हैं। हालांकि अ7ग्रेट की जा सकती है कि नैचुरल गैस के दामों में कमी से प्राकृतिक गैस की कीमतें घटेंगी। सूची के मुताबिक, 1 अक्टूबर 2020 से प्राकृतिक गैस की कीमतों में संशोधन होगा है। गैस निर्यातक

### सीएनजी, एलपीजी और पीएनजी की कीमतें घटेंगी

देशों की बेंचमार्क दरों में बदलाव के हिसाब से गैस का दाम घटकर 1.90 से 1.94 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल कीमतों में 26 फीसदी की बड़ी कटौती होगी। इससे पहले अप्रैल में नैचुरल गैस की कीमतें 2.50 डॉलर प्रति एम्एमबीटीयू पर थीं। इससे नैचुरल गैस के दाम घटकर 2.39 डॉलर प्रति एम्एमबीटीयू रह गए थे। ओएनजीसी की प्रतिदिन 6.5 करोड़ घनमीटर गैस के उत्पादन पर नुकसान हो रहा है। केंद्र सरकार ने नवंबर, 2014 में नया गैस मूल्य पॉर्मूला पेश किया था। यह अमेरिका, कनाडा और रूस जैसे गैस उत्पादक देशों के मूल्य के साथ तुलना में है। इस समय गैस का दाम

2.39 डॉलर प्रति इकाई है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय में सबसे कम है। ओएनजीसी ने हाल में सरकार को लिखे पत्र में कहा है कि नई खोजों से गैस उत्पादन में 5-9 डॉलर प्रति एम्एमबीटीयू का दाम होने पर ही वह लाभ की स्थिति में रह सकती है। सरकार ने मई 2010 में बिजली और ज्वलक कंपनियों को बेची जाने वाली गैस का दाम 1.79 डॉलर प्रति इकाई से बढ़ाकर 4.20 डॉलर प्रति इकाई किया था। ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को गैस उत्पादन के लिए 3.818 डॉलर प्रति इकाई का दाम मिलना था। इसमें 10 फीसदी रॉन्ट्रोल कोडों के बाद अफ्रीकाओं के लिए इसकी लागत 4.20 डॉलर बढती थी। कठोर के नैटू7 वार्ता गुपीट संकट ने एक नए मूल्य फॉर्मूला को मंजूरी दी थी, जिसका क्रियान्वयन 2014 से होना था।



यूनिट रह जाएगा। अगर ऐसा होता है तो एक साल में यह प्राकृतिक गैस की अतिरिक्त वाले देशों के मूल्य के साथ तुलना में है। इस समय गैस का दाम



